नैक (NAAC) द्वारा 'A' ग्रेड प्राप्त

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा

Mahatma Gandhi Antarrashtriya Hindi Vishwavidyalaya

(संसद द्वारा पारित अधिनियम 1997] क्रमांक के अंतर्गत स्थापित केंद्रीय विश्वविद्यालय)

(A Central University established by Parliament by Act No. 3 of 1997)

हिंदी विश्वविद्यालय के एसोसिएट प्रोफेसर जगदीप दांगी का निधन

विश्वविद्यालय परिवार की ओर से दी गयी भावभीनी श्रद्धांजलि

वर्धा, 24 सितंबर 2018: महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय के सूचना एवं भाषा अभियांत्रिकी केंद्र में कार्यरत एसोसिएट प्रोफेसर श्री जगदीप सिंह दांगी का रविवार 23 सितंबर को निधन हुआ। उनके निधन पर विवि ने उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। वे 41 वर्ष के थे। उनके पश्चात पत्नी, एक बेटा, माता-पिता और तीन भाई है। उनका जन्म 15 मई 1977 को हुआ था। वे सन 2012 से विश्वविद्यालय में सेवारत थे। उन्होंने साइंटिस्ट एवं इंजीनियर के रूप में 2007 से 2012 तक अटलबिहारी वाजपेयी भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान, ग्वालियर में कार्य किया। उन्हें हिंदी के लिए प्रथम वर्तनी परीक्षक सॉफ्टवेअर 'सक्षम' के विकास कार्य हेतु लिम्का बुक ऑफ रिकार्ड्स सम्मान 2015 में प्राप्त हुआ। इसके अलावा उन्हें पंजाब कला साहित्य अकादमी, जालंधर से प्रेरणा पुंज सम्मान तथा राष्ट्रीय स्तर का आउट स्टैंडिंग यंग पर्सन ऑफ इंडिया पुरस्कार 2010 में प्राप्त हुआ। उन्हें भारत सरकार के मानव संसाधन विकास मंत्रालय की राष्ट्रीय छात्रवृत्ति योजना के अंतर्गत 1996-97 में राष्ट्रीय छात्रवृत्ति प्राप्त हुई थी। उन्हें सूचना प्रौद्योगिकी स्थानीयकरण एवं सॉफ्टवेयर (हिंदी) के विकास में विशेष योग्यता हासिल थी। उन्होंने 'हिंदी देवनागरी लिपि और यूनिकोड' पुस्तक लिखी है। हिंदी में कंप्यूटर के प्रयोगों को लेकर उन्होंने कई समाचार पत्र-पत्रिकाओं में आलेख लिखे हैं। उनके निधन पर विश्वविद्यालय परिवार ने सोमवार को प्रात: 10 बजे प्रशासनिक भवन में शोक सभा में भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। शोक सभा में कुलपति प्रो. गिरीश्वर मिश्र के द्वारा भेजा गया शोक संदेश प्रतिकुलपति प्रो. आनंद वर्धन शर्मा ने पढ़ा। अपने शोक संदेश में कुलपति प्रो. मिश्र ने दांगी के निधन को विश्वविद्यालय की अपूरणीय क्षति बताया। उन्होंने कहा कि प्रो. दांगी भाषा प्रौद्योगिकी के मर्मज्ञ थे और हिंदी के लिए समर्पित थे। वे कई महत्वपूर्ण साफ़्टवेयर के निर्माण से जुड़े रहे। जूझारू व्यक्तित्व के धनी वे पिछले कई वर्षों से अस्वस्थ

रहते हुए भी अध्यापन और शोध कार्य में जुटे रहे। शोक सभा में कार्यकारी कुलसचिव प्रो. के. के. सिंह ने श्री दांगी के जीवन का परिचय कराया। शोक सभा में दो मिनट का मौन रखकर श्रद्धांजलि दी गयी।